"यदि भारतीय लोककला, संस्कृति और राजनीति में एक रहना चाहते हैं तो इसका माध्यम हिंदी हो सकता है।" — ***चक्रवर्ती राजगोपालाचारी***

हिन्दी प्रोत्साहन हेतु भावी योजनाएं

"भारतीयों को भारत से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम हिंदी के अतिरिक्त कोई और नहीं हो सकता। अभातशिप अपनी शक्तियों के सीमित दायरे में रहते हुए, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा को हिन्दी माध्यम से प्रदान करने तथा राजभाषा नियमों, अधिनियमों की संवैधानिक अपेक्षाओं की पूर्ति संबंधी अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का सहर्ष निर्वहन करते हुए हिन्दी की उन्नति हेतु कृत संकल्प तथा निरंतर प्रयासरत है :–

1 तकनीकी कार्यशाला का आयोजन

कार्यालयों में हिन्दी में कार्य करने में सबसे बड़ी समस्या हिन्दी टंकण से संबंधित तथा कम्प्यूटर पर प्रयुक्त होने वाले अनेक फोंट के कारण आती है। इस समस्या के समाधान के लिए अभातशिप में एक तकनीकी कार्यशाला के आयोजन की योजना बनाई गई है। जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों को कम्प्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग की नई–नई तकनीक, यूनीकोड के प्रयोग तथा टंकण एवं अनुवाद की नवीन प्रणालियों से अवगत करवाया जाएगा।

2 वार्षिक तकनीकी हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन

अभातशिप हिन्दी को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने के निहितार्थ एक वार्षिक "तकनीकी हिन्दी पत्रिका" को प्रकाशित करने हेतु प्रयासरत है। जिसके माध्यम से अभातशिप के संबंध में जन सामान्य को हिंदी में जानकारी उपलब्ध करवाई जा सकेगी तथा अनेक तकनीकी विषयों पर, हिन्दी में सामग्री प्रकाशित की जाएगी।

3 विश्व हिन्दी दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने की योजना

10 जनवरी, को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में अधिक व्यापक और विस्तृत तौर पर मनाए जाने की योजना बनाई जा रही है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा को हिन्दी में उपलब्ध करवाने हेतु विभिन्न विकल्पों पर विचार विमर्श, संगोष्ठी इत्यादि आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है।

4 विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के अधीन दिये जाने वाले पुरस्कारों की राशि में वृद्धि

अभातशिप में लागू की गई प्रोत्साहन योजनाओं के अधीन वितरित की जाने वाली राशि को वर्ष 2011 से बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। भविष्य में परिषद् की कार्यविधि में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के निहितार्थ कुछ अन्य प्रोत्साहन योजनाएं लागू करने पर विचार किया जाएगा।

"अत्यंत महत्ती एवं परिणामोन्मुखी योजना"

5 हिंदी को तकनीकी रूप से विकसित करने के उद्देश्य से हिंदी से संबंधित तथा अनुवाद से संबंधित सॉफ्टवेयर इत्यादि को मौलिक रूप से विकसित करने हेतु निधियन (फन्डींग) किए जाने की योजना।

परिषद् की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हाल ही में आयोजित हुई बैठक में लिए गए निर्णयानुसार अभातशिप द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्कीम की कार्य योजना तैयार करने पर विचार किया जा रहा है। जिसके अधीन हिन्दी के सुगम प्रयोग हेतु तकनीक विकसित करने अथवा हिन्दी में कार्य करने को सुविधाजन्य बनाने हेतु कम्प्यूटर पर सरल अनुवाद उपलब्ध करवाने जैसे सॉफ्टवेयर इत्यादि तैयार करने वाली संस्था अथवा व्यक्ति को उपरोक्त हेतु निधियन (फन्डींग) करने संबंधी योजना तैयार करने के प्रयास किए जाएंगे। अभातशिप द्वारा आरंभ की जाने वाली प्रस्तावित योजना अवश्य ही हिन्दी को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने में नींव का पत्थर सिद्ध होगी।

6 राष्ट्रीय स्तर की हिंदी संगोष्ठी के आयोजन का प्रस्ताव

7 ***तकनीकी पाठ्यपुस्तक पुरस्कार योजना को और अधिक विस्तृत, परिणामोन्मुखी तथा उत्साहवर्धक बनाने के साथ–साथ अधिक लेखकों को लाभान्वित करने संबंधी योजना बनाने पर विचार किया जा रहा है।***